

## मन मोहन मूरत तेरी प्रभु

मन मोहन मूरत तेरी प्रभु, मिल जाओगे आप कहीं ना कहीं  
यदि चाह हमारे दिल में है, तूम्हे ढुंढ ही लेंगे कहीं ना कहीं

काशी मथुरा वनदावन में.....या अवधपुरी की गलियन में,  
गंगा यमुना सरयू तट पर, मिल जाओगे आप कहीं ना कहीं  
मन मोहन मूरत...

घर बार को छोड संयासी हुए, ... सबको परित्याग उदासी हुए  
छानेगें बन बन खाक तेरी, मिल जाओगे आप कहीं ना कहीं  
मन मोहन मूरत....

सब भक्त तुम्ही को घेरेंगे.... तेरे नाम की माला फरेंगे  
जब आप ही खूद सरमाओगे, हमे दर्शन दोगे कहीं ना कहीं  
मन मोहन मूरत.....

<https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/672/title/man-mohan-moorat-teri-prabhu-mil-jaoge-aap-kahin-na-kahin>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |